

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड 3—उप-चण्ड (1) PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 541] No. 541]

नई 'वल्ली, बृहस्पतिबार, अक्तूबर 13, 1988/ आश्विम 21, 1910 NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 13, 1988/ASVINA 21, 1910

इस भाग में भिन्स पृष्ठ संख्या **वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रू**प में **रचा जा सके**

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

अल-भूतल परिबद्धन मंत्रालय

(पत्तम पक्ष)

नई दिल्ली, 13 ग्रवसुषर, 198S

ग्रधिसूचना

सा का ति 1009(छ):—केन्छ सरकार, महापत्तन न्यास श्रिष्ठितयम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठिन धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त गिक्तयों ना प्रयोग करते हुए, विशाखापत्तनम न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस प्रिधिसूचना के साथ संलग्न धनुसूची में विशाखापत्तनम पोर्ट कर्मचारी (सामान्य भविष्य निधि) संणोधन विनियम, 1988 का धनुसोबन करती है।

2 उक्त विनियम, क्षम प्रधिसूचना के मरकारी राजपन्न में प्रकालन की नारीख में प्रवृत्त होंगे।

[फा स पी मार-12016/19/88---पी ई]

योगेन्द्र नारायण, संयक्त सचित्र

ग्रनसूची

विशाखापत्तनम पोर्ट दृस्ट

महापत्तन न्यास श्रिधिनियम, 1963 (1963 का प्रिधिनियम 38) की धारा 28 के ध्रधीन प्रदत्त ध्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त ध्रिधिनियम की धारा 124 के अंतर्गत विणाखापत्तनम पोर्ट दृस्ट के न्यासी संजल, जिलाखापत्तनम पोर्ट कर्मचारी (सामान्य भविष्य निधि) विनियम, 1964 में धार्ग सणोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती हैं:

- (1) इन विभियमो को विशाखापत्तनम पोर्ट कर्मचारी (मामान्य मिवट्य निधि) सणोधन विभियम, 1988 कहा जाएगा।
- (2) विशाखापत्तनम पोर्ट कर्मचारी (सामान्य भविष्य निधि) यिनियम, 1961 के विनियम 2 का उपविनियम 5 के पर. (1) के निए निम्नलिखित प्रस्थापित किया जाएगा।

'पुरुष प्राहक के मामले में पस्ती या पत्तिया, माना-पिता, बज्बे, मेनर' भाई, श्रविवाहित बहुतें, मृत व्यक्ति के ग्रेटे की विधवा और बज्जे और यदि श्राहक के माता-पिता जीवित नहीं हैं तो ऐसी हालत में पैतृक प्रोढ माता पिता, किन्तु साथ ही यदि ग्राहक यह माश्रित करता है कि उसकी पत्नी ग्रवालती रूप से उससे ग्रवा हो गई प्रथवा उसे सामा-जिक नियमों के श्रन्सार उसे नियहि करने का हक से विवाह किया गया

- है। इन विनिधमों से संबन्धिन मामलों में घट वह घाहक परिवार की सदस्य के रूप में तब तक नहीं मानी जाएगी जब तक कि बाद में ग्राहक लिखित रूप में लेखा ध्रधिकारी को यह सूचित न कर दें कि उसे वैसा ही चालु माना जाए।
- (ii) महिला ग्राहरू के मामले में उसका पति, माता-पिता, बच्चे 'मैनर' भाई, प्रविवाहित बहुनें, मृत व्यक्ति के बेटे की विधवा और बच्चे और यदि ग्राहरू के माता-पिता जीविन सही हैं तो ऐसी हालत में पैतृक प्रौढ़ माता-पिता परम्तु यदि हैं तो महिला ग्राहरू लेखा प्रधिकारी को लिखित सूचना यह प्रभिव्यक्त करती हैं कि उसके परिवार से उसके पति को भ्राला किया गया हो इन धिनियमों से संबन्धित मामले में वह व्यक्ति महिला ग्राहरू के परिवार का तब तक एक सदस्य के रूप में महीं माना जाएगा जय गया कि वह महिला ग्राहरू बाद में प्रपत्ती ऐसी सूचना को लिखित रूप में रह नहीं कर देती।"
- 3. उल्लिखित विनियमों के विनियम 6 में निम्नलिखित परिवर्शन किया आएगा।
- (i) उप विनियम (3) में निम्निलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा: "प्राध्येक नामांकन पहली धनुसूची परिशिष्ट के कार्म सेट में बनाया जाए।"
 - (ii) उप विनियम (5) में :
 - "(क) पहला उपबन्ध छोइ दिया जाए ।
 - (का) दूसरे परन्तुक में साथ ही प्रोबाइटेड गड़क के बाद आगे (फरवर) गड़्द को छोड़ दिया चाए।"

नोट: वि० 24-2-1964 का जी एस आर 328 में विशास्त्रापत्तनम पौर्ट शर्मेचारियों (सामान्य भविष्य निधि) विनियम, 1964 सरकार द्वारा आरी किया गया । विनियम को बाद में निस्नलिखिल अधिसूचनाओं के ग्रनसार संशोधिम किया गया ।

- 1. सं. 17-पी ई(52)/68, चि. 25-1-69
- 2. सं. 17-पी ई(52)/68, वि 12-5-69
- 3. सं. 17-पी **ई** (50/69, वि. 15-9-69
- 4 सं. 17-पी ई(50)/69, दि. 13-10-69
- 5. सं. 17-पी ई (53)/70, वि. 6-11-70
- 6. सं. 17-पी ई(53)/70, वि. 1-4-71
- 7 सं. 17-पी ई(4)/71, दि. 13-4-71
- 8. सी. 17-मी ई(4)/71, दि 31-8-71
- 9. सं. 17-मी ई(51)/72, दि. 28-6-73
- 10 सं. 17-पी ई(42)/73, वि. 27-10-73
- 11. सं. पी ई बी-11/76, वि. 27-3-76
- 12. सं. पी ई बी-16/78, वि. 8-2-78
- 13. सं. वी धी भी-15/79, वि. 20-2-78
- 14. सं. थी ई बी-34/79, वि. 31-8-79
- 15. सं. पी ई मी-4/81, वि. 21-5-81

(बाई. पार्थंसारपी) मचिव विज्ञास्त्रापत्तनम पोटं ट्रस्ट, विज्ञास्त्रापत्तनम

विशासापत्तनम पोर्ट दूस्ट प्राणी धनसणी (वितिथम-6

			पहली धनुसूची	(विनियम-6)		
			नार्मा	हम फा र्म		
						लेखा सं
				म 1964 के रि सदस्य (यों)/गैरस		परिभाषित के अनुसार मे
	मेरे साख की निधि	की रकम को जो		• • •		गयार्वं से रकम को मेरी मृत्यू
(एस) नामन का नाम भौर पूरा पता	ग्राहक से सबस्ध	नामन (एस) की भायू	प्रस्येक नामन को दी जाने वाली शयर	सामांकन मान्य होने की क्षासातों की भाकस्मिकताएं	व्यक्ति (एस) के नाम, पता भौर संबन्ध, जिसे श्राहक/महिला ग्राहक की पूर्व मृत्यु प्राप्ति की भ्रवस्या में ग्रिशकार दिया जा सके	विनियम 2(5) के प्रस्तुता- नुसार नामित व्यक्ति यवि परिवार का सवस्य नहीं हैं तो कारण विया जाए
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
विभाक वो गबाहों के हस्ताक्षर नाम और पता	19 , 南 1	धिन की	. अप्रे मनाया	गया		नाम
. I					मृस्साक्षर	
2,						
कार्यालय ऋध्यक्ष	न/लेखा कार्यालय द्वार	त प्रयोग करने हेत ु	स्थल।			
श्री/श्रीमसी/कुमारी		द्वारा	नामित			
पदनाम						
नामांकन प्राप्त करने की	तारीख					
					कार्यावय सह	पक्ष/ लेखा प्रश्चिकारी के ह स्लाक्षर
						additional animatics is Billions
> C					नाराष	*****
पाहक के सिए अनुदेश	on flower were a					
(क) स्नापकान (क) ६.६ -						
	ताम उचित रूप से पृ		frie frien	1004 के स ज्ज्ञार	''परिचार' शब्ध की परिभाषा	नीचे ही गई है।

्ग) विशास्त्रापलनम पोर्ट कर्मचारी (सामान्य भविष्य निधि) चिनियम, 1984 के प्रनुसार 'परिचार' पब्यि की परिभाषी निज वी गई है।

परिवार का मर्थ ---

- (1) पुरुष ग्राहर के मामले में पत्नी या पित्नमां, माना-पिता, बच्चे 'मैनर' भाई, श्रविग्राहित वहने, मृत व्यक्ति क बेटे की विधना ग्रार बच्चे श्रीर पदि ग्राहरू में माता पिता जीवित नहीं है तो ऐसी हालन में पैतृक प्राव माता-पिता किन्तु माय ही यदि ग्राहरू यह प्रमाणित करना है कि उसकी पर्ना अवालती रूप में उससे भ्रवण किया गया है भ्रथमा उसे जिस समाज में निर्वाह करने का हक है उससे प्रयागत विधि ने भ्रत्नगंत उससे निक्षाल थे। गई हो, इन् । बनियमों से सबस्थित मामलों में भ्रव वह ग्राहरू परिवार के सदस्या के रूप में तब तक नहीं मानी जाएगी जब तक कि वाद मं ग्राहरू निखित न्य में लेखा भ्रियक्ति की यह सूचित न कर वे कि उससे पूर्व रूप में अनुसार ही चानु माना जाए।
- (2) महिला ग्राह्म के मामले में उसका पति, माता पिता, प्रथ्य मैनर भाई, प्रथियाहित बहुने, मृत व्यक्ति के बेटे की शिक्ष्या धीर यच्च धीर यदि ग्राह्म के माता पिता जीवित नहीं है तो ऐसी हालन में प्रौढ माता पिना किन्तु माथ ही यदि महिला ग्राह्भ लेखा प्रधिकारी का लिखित सूबना बारा यह ग्राभिक्ष्यक्त करती है कि उसके परिवार से उसके पित को निकाल दिया गया है इन विनियमों से सबस्थित मामले में बहु व्यक्ति महिला ग्राह्म के परिवार का नव तक एक सदस्य के रूप में मही माना जाएगा जब तक कि वह महिला ग्राह्म बाद में अपनी ऐसी सूचना को रह नहीं कर देती।

नोट ~~वरुषे का ग्रर्थ है धनज/मतान वरूना भीर गोर लिया हुआ। वरूका। शाभिल है दलक गोव ग्राहक शासन के यैयक्लिक विधि क्षारा भाग्य ता।

- (घ) कालम 4 यदि एक ही व्यक्ति को नामित किया गया है ते। नामन के आगे 'पूण रूप में शब्द निज्ञा होगा यदि एक सं आदि व्यक्षित को नामिन किया गया है तो ऐसी अवस्था में भविष्य निधि में भी कुल रवस में में प्रत्येक सामन का देने लायक शेयर (हिस्सा) का उनेत्य करें।
- (च) कालम-5 नामिनी (एस) की मृत्यू इस कालम में प्राकमिन्यता के रूप में नहीं उपलख किया जाए।
- (छ) कालम-6 ग्रपने नाम का उल्लेख नही करे।
- (ज) भंतिम प्रविध्टि के नीचे खाली जगह के बीच एक रेखा खीच द ताकि अपने हस्ताक्षर करने के बाद काई नाम न जोड़ सका।
- नोट नामांकन के समय यदि कोई ग्राहक का परिवार नहीं है भीर बाद में एक परिवार बना तो ऐसी हालत म नामानत प्रविधिमान्य हा आध्या ।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(PORTS WING)

New Dolhi, the 13th October, 1988

NOTIFICATION

G.S.R.1009 (f) '—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read—with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Vishakhapatnam Port Employees (General Provident Fund) Amendment Regultions, 1988 made by the Board of Trustees for the Port of Vishakhapatnam and set out in the Schedule annexed to this notification.

2 The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PR-12016/19/88-P.E.I]

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

SCHEDULE

VISAKHAPATNAM PORT TRUST

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act 1963 (Act 38 of 1963), the Board of Trustees of the Visakhapatnam Port Trust hereby makes, the following Regulations further to amend the Visakhapatnam Port Employees' (General Provident Fund) Regulations, 1964:

- These Regulations shall be called "The Visakhapatuam Port Employees' (General Provident Fund) Amendment Regulations, 1988.
- 2. In Regulation 2 of the Visakhapatnam Port Employees (General Provident Fund) Regulations, 1964, in Sub-Regulation 5, for para (i), the following shall be substituted, namely:—
 - "In the case of male subscriber, the wife of wives, Parents, Children, Minor Brothers, Un-matried Sisters, deceased Son's widow and children, and whole no parents of the subscriber is alive. a Paternal grand parents.

Provided that if a subscriber proves that his wife had been judicially separated from him or has ceased under the customary law of the community to which she belongs to be entitled to maintenance, she shall henceforth be deemed to be no longer a member of the subscriber's family in matters to which these Regulations telate unless the subscriber subsequently intimates, in writing to the Accounts Officer that she shall continue to be 55 regarded

(ii) In the case of a female subscriber, the hust and, patents, children, minor brothers, un-matried sisters, deceased son's widow and children and where no patents of the subscriber is alice, a paternal grand parent:

Provided that if a subscriber by notice in writing to the Accounts Officer expresses her desire to exclude her husband from her family, the husband shall henceforth be decired to be no longer a member of the subscriber's family it, matters to which these regulations relate unless the subscriber subsequently cancels such notice in writing."

- 3. In Regulation 6 of the said regulations, the following changes shall be made;
 - (i) For Sub-regulation (3), the following shall be substituted.
 - "Every nomination shall be made in the form soft forth in the First Schedule appended."
 - (ii) In Sub-Regulation (3):
 - (a) The first provision shall be omitted.
 - (b) The word "further" after the word provided in the second proviso shall be omitted.
- NOTE. The Visakhapatnam Port Employees' (General Provident Fund) Regulation; 1964 were issued by the Government vide GSR.328, dt.24-2-1964. The Regulations were subsequently amended vide, notifications mentioned below:
- 1. No.17-PE (52)/68, dt. 25-1-69.
- 2. No. 17-PE (52)/68, dt. 12-5-69.
- 3. No. 17-PE (50)/69, dt. 15-9-69.
- 4. No. 17-PE (50)/69, at. 13-10-69.
- 5. No. 17-PE (53)/70, dt. 6-11-70.
- 6. No. 17-PL (53)/70, dt 1-4-71.
- 7. No. 17-PE (4)/71, dt. 13-4-71
- 8. No. 117-PE (4)/71, dt. 31-8-71.
- 9. No. 17-PE (51)/72. dt. 28-6-73.
- 10. No. 17-PE (42) /73. dt. 27-10-73.
- 11. No. PEV-11/76, dt. 27-3-76.
- 12. No. PEV-16/78, dt 8-2-78.
- 13. No. PEV-15/78, dt.20-2-78,
- 14. No. PEV-34/79, dt.31-8-79
- 15. No. PEV-4/81, dt.21-5-81.

(Y. PARDHASARADHI) SECRETARY VISARHAPATNAM PORT TRUST VISAKHAPATNAM

VISAKHAPATNAM PORT TRUST

FIRST SCHEDULE (REGULATION-6)

FORM OF NOMINATION

					Account No.———				
It ——————hereby nominate the person(s) mentioned below who is/are member(s)/non-member(s) of my family as defined in Regulation 2(5) of Visakhapatnam Port Employees' (General Provident Fund) Regulations, 1964, to receive the amount that may stard to make redit in the Fund as indicated below, in the event of my death before, that amount has become payable or having become payable has not been paid.									
Name and full address of the no ninec(s)	Relationship with the subscriber	Age of the nomince(s)	Share payable to each no ninee.	the nomination will become invalid.		If the nominal is not a member of the family as povided in Regulation 2(5), indicate the reasons.			
1	2	3	4	5	6	7			
Dated this	day of 19	at .		Name in b	of the subscriber———————————————————————————————————				
Two witnesses to Signs									
Name and Addres	5:								
2.				S	ngaature				
Space for use by the Designation—									
				Signature o	f Head of Office/Acco	unts Officer			
				Designation	1:				
				Dat e					
Instructions for Subscri	ber:								

- (a) Your name may be filled in.
- (b) Name of the finid may be completed sumply
- (c) Definition of term "(amily" as given in the Visakhaputnam Port Employees" (General Provident Fund). Regulations, 1964-18 reproduced below:

Family means-

- (i) in the case of male subscriber, the wife of wives, parents, children, minor brothers, unmarried sisters, deceased son's widow and children and where no parents of the subscriber is alive, a paternal grand parent. Provided that if a subscriber proves that his wife has been judicially separated from him or has ceased under the customary law of the community to which she belongs to be entitled to maintenance, she shall have forth be deemed to be no longer a member of the subscriber's family in matters to which these regulations relate, unless the subscriber subsequently intimates in writing to the Accounts Officer that she shall continue to be so regarded;
- (ii) in the case of a female subscriber, the husband, parents, children, minor brothers, unmarried sisters, deceased son's w'dow and children and where no parents of the subscriber is alive, a paternal grand parent, provided that if a subscriber by notice in writing to the Accounts Officerexpresses her desire to exclude her husband from her family, the husband shallhence forth be deemed to be no longer a member of the subscriber's family in matters to which these regulations relate, unless the subscriber subsequently cancels such notice in writing.]
 - NOTE: "Child" means legitimate child and includes an adopted child where adoption is recognised by the personal law governing the subscriber.
- (d) Col. 4. If only one person is nominated, the words "infull" should be written against the nominee. If more than one person is no ninated, the share payable to each nominee over the whole amount of the Provident Fund shall be specified.
- (e) Col. 5. Death of no ninee(s) should not be mentioned as contigency in this column.
- (f) Col. 6. Do not mention your name.
- (g) Draw line across the blank space below last entry to prevent insertion of any name after you have signed,
 - NOTE: A nomination shall become invalid in case of a subscriber who had no family at the time of nomination, subsequently acquiring a family.

•